Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:भारतीय दर्शन भाग १,राजपाल एण्ड सन्स ,दिल्ली, 2012 । 2.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:भारतीय दर्शन भाग २, राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली, 2013 । 3.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:उपनिषदों का संदेश,राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली 1997 । 4.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:सत्य की खोज,राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2013 5.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:गौतम बुद्ध- जीवन दर्शन, मंजुल पब्लिशिंग हाउस,,दिल्ली,1899 । 6.डॉ. कर्णसिंह: मेरा जीवन दर्शन,राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली 2013 । 7.जे. कृष्णमूर्ति: ईश्वर क्या है, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2012 । 8.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन: भारतीय संस्कृति कुछ विचार, राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,1997 ।	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO-13

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Rachnatmak Lekhan

(रचनात्मक लेखन)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित: रचनात्मकता की साधारण जानकारी अपेक्षित है। जिसमें संवेदना क्या है? साहित्य में भावों को कैसे रचा जाता है? आदि।	
उद्देश्य	प्रस्तुत पाठ्यक्रम में भाषा एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया , अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र , लेखन के विविध रूप , पक्षधरता का सवाल , साहित्य में बिंब , फैंटेसी, प्रतीक, जादुई यथार्थवाद का प्रयोग , कविता में संवेदना का महत्व , काव्य रूप , भाषा का सौष्ठव , कथा साहित्य में पात्र परिवेश, नाट्य साहित्य में पात्र-परिवेश के साथ रंगकर्म और गद्य के विविध विधाओं में लेखन कैसे किया जाता है आदि का ज्ञान कराना उद्देश्य है। इसके साथ निर्धारित रचनाओं के माध्यम से रचनात्मकता के विविध रूपों का ज्ञान कराना भी अपेक्षित है।	
	1. रचनात्मक लेखनः अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत • भाषा एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया • विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विविध गद्य अभिव्यक्तियां • लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाल लेखन। • रचनात्मक लेखन: पक्षधरता का सवाल, लेखन की परंपरा। • रचना सौष्ठव: शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, फैंटेसी, जादुई यथार्थवाद।	12hours

	2. विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन • कविता: संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव। • कथा साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श। • नाट्य साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म। • विविध गद्य-विधाएं: संस्मरण, यात्रा साहित्य, साक्षात्कार, समीक्षा।	14
	3. निर्धारित रचनाएं • उपन्यास: कई चांद थे सरे आसमां-शम्सुर रहमान फारूकी • कहानियां: पांच का सिक्का-अरुण कुमार असफल, कॉमरेड का कोट-सृंजय • कविता: बाघ और सुगना मुंडा की बेटी - अनुज लुगुन • यात्रा-वृत्तांत: वह भी कोई देश है महाराज-अनिल यादव	22
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण,पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, वृत्तचित्र ।	

Programme(कार्यक्रम):- M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO-14

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक): Uttar Aadhunik Vimarsh

(उत्तर आधुनिक विमर्श)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आधुनिकता का इतिहास , आधुनिकता के विविध रूप और अवधारणा की जानकारी अपेक्षित है। साहित्य के संदर्भ में इसकी क्या भूमिका रही है , यह भी जरूरी है।	